भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. **4770**

सोमवार, **22** जुलाई, 2019/**31** आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मध्य प्रदेश में विभिन्न प्रसिद्ध स्थलों में पर्यटन को बढ़ावा देना

4770. श्री कृष्ण पाल सिंह यादव उर्फ

डॉ. के॰ पी॰ यादवः

डॉ. वीरेन्द्र कुमारः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उक्त जिलों के ऐतिहासिक स्थलों के मद्देनजर खजुराहो, ओरछा, मांडू, पंचमढ़ी और मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के समीप के क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों में पर्यटन को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उपर्युक्त स्थलों के साथ-साथ पर्यटन का विकास और बढ़ावा देने के प्रयोजनार्थ अन्य किन स्थलों का चयन किया गया है;

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) पर्यटकों को उपर्युक्त स्थलों पर पहुंचने के लिए प्रदान की गई सुविधाओं का ब्यौरा क्या है ताकि इन क्षेत्रों में पर्यटन अवसंरचना की स्थापना की जा सके; और

(ङ) क्या अन्य देशों में भारत की पर्यटन क्षमता में वृद्धि करने के लिए इस वर्ष कोई कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ड.) : पर्यटन मंत्रालय ने अपनी विभिन्न योजनाओं के तहत मध्य प्रदेश राज्य में पर्यटन के विकास एवं संवर्धन के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

यह मंत्रालय स्वदेश दर्शन, प्रशाद तथा केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक अपनी योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासनों/ केंद्रीय एजेंसियों को देश में थीमेटिक पर्यटक परिपथों के विकास, अभिज्ञात तीर्थ स्थान एवं विरासत गंतव्यों का समग्र विकास और अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है। इन योजनाओं के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में

जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है। पर्यटन मंत्रालय मेलों, महोत्सवों और पर्यटन के संवर्धन की क्षमता रखने वाले पर्यटन संबंधी समारोहों के आयोजन के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को केंद्रीय वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है।

मध्य प्रदेश राज्य में उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा मध्य प्रदेश राज्य में विकास हेतु अभिज्ञात प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों में खजुराहो भी शामिल है। पर्यटक स्थलों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय निकटतम बिंदु तक पहुंच, हेलीपैड, जेट्टी, मार्गस्थ सुविधाओं, क्रूज, पार्किंग, बैटरी से चलने वाले वाहन आदि के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मध्य प्रदेश राज्य सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन हेतु जारी अपने कार्यकलापों के एक भाग के रूप में पर्यटन मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू बाजारों में वार्षिक रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय के सोशल मीडिया अकाउंट्स तथा वेबसाइट के माध्यम से भी संवर्धन कार्य किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारत तथा विदेशों में स्थित भारत पर्यटन कार्यालय सूचना का प्रसार करते हैं और देश के विभिन्न पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों के प्रदर्शन के उद्देश्य से विविध संवर्धनात्मक कार्यकलाप करते हैं।

****

अनुबंध

मध्य प्रदेश में विभिन्न प्रसिद्ध स्थलों में पर्यटन को बढ़ावा देना के बारे में दिनांक 22.07.2019 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. 4770 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में विवरण

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत मध्य प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाएं

I. स्वदेश दर्शन योजना (करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परिपथ	स्वीकृत का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	वन्यजीव परिपथ	**2015-16**	मध्य प्रदेश में पन्ना-मुकुन्दपुर- संजय-डुबरी-बांधवगढ़-कान्हा-मुक्की-पेन्च में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.22
2.	बौद्ध परिपथ	**2016-17**	मध्य प्रदेश में सांची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार में बौद्ध परिपथ का विकास	74.94
3.	विरासत परिपथ	**2016-17**	विरासत परिपथ का विकास (ग्वालियर -ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडु) मध्य प्रदेश	92.97
4.	इको परिपथ	**2017-18**	इको परिपथ थीम के तहत गांधीसागर बांध - मण्डलेश्वर बांध-ओंकारेश्वर बांध- इन्दिरा सागर बांध - तवा बांध-बारगी बांध- भेड़ा घाट- बनसागर बांध- केन नदी का विकास।	99.62

II. प्रशाद योजना (करोड़ रु. में)

क्र. सं.	स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	2017-18	ओमकारेश्वर का विकास	40.**67**

III. मेलों, महोत्सवों तथा पर्यटन सम्बन्धी समारोहों के आयोजन हेतु केन्द्रीय वित्तीय सहायता

(लाख रु. में)

क्र. सं.	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	**2016-17**	मेलों और त्यौहारों का आयोजन (पचमढ़ी उत्सव , पचमढ़ी और जल महोत्सव, हनुवंतिया)	**22.00**
2.	**2016-17**	**(i)** विश्व पर्यटन दिवस समारोह, **2016** **(ii)** शरदोत्सव , भेड़ाघाट (जबलपुर) **(iii)** मांडु उत्सव - 2016	**20.00**

3.	**2017-18**	निम्नलिखित के आयोजन हेतु सीएफए **(i)** पचमढ़ी उत्सव, पचमढ़ी - 2017 **(ii)** जल महोत्सव , हनुवंतिया **(iii)** खजुराहो नृत्य महोत्सव-**2018**	**50.00**
4.	**2018-19**	**(i)** पचमढ़ी उत्सव **(ii)** जल महोत्सव **(iii)** खजुराहो नृत्य महोत्सव	**50.00**

****